

शयानाक पुं. (तत्.) 1. गिरगिट 2. अजगर सर्प।

शयालु पुं. (तत्.) 1. अजगर साँप 2. कुत्ता 3. गीदड़, शृगाल वि. निद्रालु, आलसी।

शयित वि. (तत्.) 1. जो सुलाया हुआ हो 2. लेटाया हुआ 3. गिराया हुआ 4. विश्राम के लिए लेटा हुआ 5. सोया हुआ।

शयिता पुं. (तत्.) सोने वाला।

शयु पुं. (तत्.) बड़ा साँप, अजगर।

शयुन पुं. (तत्.) बड़ा साँप, अजगर।

शय्या स्त्री. (तत्.) 1. पलंग, खाट, चारपाई 2. बिस्तर, बिछौना।

शय्याकाल पुं. (तत्.) सोने का समय।

शय्यागत पुं. (तत्.) शय्या पर लेटा हुआ, रोगी, अस्वस्थ, बीमार।

शय्यागृह पुं. (तत्.) शयनकक्ष, शयनागार, सोने का कमरा।

शय्यादान पुं. (तत्.) (शय्या-दान) मृत व्यक्ति से संबंधित दान कर्म, मृत्यु के पश्चात् ग्यारहवें या बारहवें दिन पुरोहित, माहपात्र ब्राह्मण को पलंग, बिस्तर, बरतन आदि का दान देना।

शय्यापालक पुं. (तत्.) राजा के शयनकक्ष का प्रबंधक।

शरंड पुं. (तत्.) 1. गिरगिट 2. पक्षी 3. कामुक, लंपट व्यक्ति 4. ठग, धूर्त 5. एक आभूषण।

शर पुं. (तत्.) 1. बाण, तीर 2. एक प्रकार का सफेद सरकंडा 3. दूध के ऊपर की मलाई 4. चोट, घाव 5. पाँच की संख्या 6. खस 7. भाले का फल।

शरकत स्त्री. (अर.) 1. शरीक होना, सम्मिलित होना, साथ देना, साझा, साझेदारी।

शरकांड पुं. (तत्.) सरकंडा, नरकुल, सरपत।

शरकार पुं. (तत्.) बाण बनाने वाला, तीर बनाने वाला।

शरकोज्या स्त्री. (तत्.) एक त्रिकोणमितीय फलन, किसी कोण की ज्या को 1 से घटाने पर प्राप्त होने वाली संख्या।

शरकोट पुं. (तत्.) तीरों/बाणों का घेरा, चलाए हुए तीरों/बाणों का ऐसा घेरा जो शत्रु सैनिकों को जल्दी बाहर नहीं निकलने देता।

शरक्षेप पुं. (तत्.) बाण या बाणों की मार।

शरगुल्म पुं. (तत्.) सरकंडा।

शरघात पुं. (तत्.) 1. बाण/तीर की मार/चोट 2. तीरंदाजी, बाण से निशाना लगाना।

शरच्चंद्र पुं. (तत्.) शरद् ऋतु का चंद्रमा।

शरच्चंद्रिका स्त्री. (तत्.) शरद् ऋतु की चाँदनी जैसे- शरच्चंद्रिका सी वह सुंदर गोरी।

शरज पुं. (तत्.) कार्तिकेय, ताजा मक्खन वि. (तत्.) शर से उत्पन्न, शर से बना हुआ, सरकंडे से बना हुआ।

शरजन्मा पुं. (तत्.) कार्तिकेय, स्कंद, (शिवपुत्र)।

शरण पुं. (तत्.) सूरन नामक एक खाद्यमूल, कंद, जमीकंद, ओल, श्योनाक, शोणाका का पेड़, सोनापाड़ा।

शरण स्त्री. (तत्.) 1. आश्रय, पनाह 2. रक्षा का स्थान, घर वह स्थान जहाँ कोई सुरक्षित रह सके, संरक्षण, बचाव, रक्षा 3. विश्राम स्थल, आराम करने की जगह 4. दूतावास और जहाज में आश्रय देकर उसकी रक्षा का जिम्मा लेना पुं. अधीन व्यक्ति, रक्षक, वध, मातहत।

शरणगृह पुं. (तत्.) 1. आश्रय पाने का स्थान, वह स्थान जहाँ शरण ली जाए 2. हवाई आक्रमणों के बचने के लिए भूमिगत बनाया हुआ स्थान।

शरणद वि. (तत्.) शरण देने वाला, रक्षा करने वाला, रक्षक, आश्रयदाता।

शरणदाता वि. (तत्.) आश्रयदाता, रक्षक।

शरणस्थल पुं. (तत्.) शरण लेने की जगह, शरण लेने का आश्रय।